अमर हरित क्रान्ती

- साधारणतः इसमें कोई व्यवसाय की सम्भावना नहीं है।
- विश्व खाद्य समस्या में है।
- पूर्व 2 वर्षों में हम लोगों ने इतना खाया है कि जितना उत्पादन नहीं हुआ।
- उत्पादकता घट रही है।
- मृदा की दशा दिन प्रतिदिन खराब हो रही है।
- मुख्य एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों की मृदा में भीषण कमी है।
- औद्यानिक फसलों पर नये–2 कीट, व्याधियों का प्रकोप बढ़ रहा है।
- अनुवांशिक परिवर्तित जीव (जैसे बी.टी. कपास) फसलें भयंकर समस्या पैदा कर रही है।
- भूजल खत्म हो रहा है।
- अम्लीय वर्षा, ओजोन परत में छिद्र।
- प्रदूषित वातावरण, मृदा एवं जल
- विकिरण, मानव निर्मित एवं प्राकृतिक

उपरोक्त सभी मृदा की उपरी 6 इंच सतह को प्रदूषित कर रहें है जिस पर मानव जीवन निर्भर करता है।

इस बहुदिशीय आक्रमण को रोकने में कोई नई तकनीकि सक्षम नहीं है।

- किसी भी आधुनिक तकनीकि से मृदा की उर्वरता में सुधार, प्रदूषण में कमी मधुमक्खी, केंचुए एवं अन्य मित्र जीवों के कार्य क्षमता एवं प्रति इकाई उत्पादकता में सुधार नहीं किया जा सकता है ?
- इसका उत्तर है वृक्षायुर्वेद की परम तकनीकि जिसको होमा जैविक कृषि के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

होमा जैविक कृषी